



मुझे रिज़र्व बैंक के 17वें वार्षिक 'सांख्यिकी दिवस सम्मेलन' में भाग लेने में खुशी हो रही है, और 'केंद्रीकृत सूचना प्रबंधन प्रणाली' या CIMS को भी लॉन्च करने के लिए, जो हमारे अगली पीढ़ी के डेटा वेयरहाउस है। दो दशकों से पहले, रिज़र्व बैंक अपने डेटा वेयरहाउस स्थापित करने के लिए अग्रणी केंद्रीय बैंकों में से एक था। इंटरएग्रम के दौरान होने वाली घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, यह स्वाभाविक है कि हम अधिक समृद्ध ओरिएंटेशन के साथ नए प्लेटफॉर्म में माइग्रेट होते हैं।

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस का उत्सव, जो प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जन्म वर्षगांठ को चिह्नित करता है, विशेष रूप से युवा मन, सांख्यिकी अनुशासन के बारे में एक अवसर प्रदान करता है, जो विभिन्न क्षेत्रों में सूचित निर्णय लेने के लिए वैज्ञानिक आधार प्रदान करता है। प्रो. महालनोबिस भारत में एक शैक्षिक अनुशासन और नीति डिवाइजिंग टूल के रूप में संस्थागत आंकड़ों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। उन्होंने हमेशा इस विषय को एक लागू विज्ञान के रूप में संपर्क किया, जो वास्तविक जीवन प्रश्नों को संबोधित करने में सक्षम है। हमें सांख्यिकी के व्यावहारिक उपयोग की याद दिलाई जाती है, जैसे बाढ़ पर उनके आधे शताब्दी के डेटा का विश्लेषण, जिसने हिराकुड डैम के निर्माण को प्रभावित किया और दूसरा पांच वर्षीय प्लान मॉडल जो भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से औद्योगिकीकरण पर केंद्रित था। इन सभी ने प्रदर्शित किया कि आंकड़े जटिल समस्याओं को कैसे संबोधित कर सकते हैं और प्रगति को बढ़ा सकते हैं। जैसा कि हम प्रो. महालनोबिस को उनकी जन्म जयंती पर श्रद्धांजलि देते हैं, इसलिए हम इस महान दूरदर्शी प्रयासों से प्रेरणा प्राप्त करना जारी रखते हैं।

मैं इस अवसर पर डा. सी.आर. राव, सांख्यिकी में जीवंत लिजेंड और प्रो. महालनोबिस के निकट सहयोगी को बधाई देना चाहूंगा, जिन्हें 2023 में सांख्यिकी में प्रतिष्ठित और लंबी अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुना गया है। आकस्मिक रूप से, हमारे बीच उनके दो विशिष्ट छात्र हैं, प्रोफेसर एस.आर.एस. वरधन और प्रोफेसर राजेव करंदीकर। वे दिन के दौरान सांख्यिकीय सिद्धांत और अनुप्रयोगों में दिलचस्प क्षेत्रों के बारे में बात करेंगे।

साक्ष्य और विश्लेषण नीति फॉर्मूलेशन में मुख्य इनपुट हैं। देरी से, आर्थिक नीति निर्माण और निगरानी प्रक्रियाओं का अधिक डेटा गहन हो गया है, जिसमें विकास के विस्तृत अध्ययन, कारकों के बीच अंतरसंबंध, पहचान पैटर्न, संभावित पथ का पूर्वानुमान और परिदृश्य विश्लेषण पर काफी निर्भरता रखी जा रही है। ऐसे विश्लेषण की पूर्व आवश्यकता डेटा क्वालिटी के तीन CS, यानी पूर्णता, शुद्धता और स्थिरता के साथ समय पर और विश्वसनीय डेटा की उपलब्धता है।

ऐसे आर्थिक चरों के विपरीत जो सीधे लेन-देन प्रणालियों से संकलित किए जाते हैं, जो समय पर और मजबूत, कुछ मुख्य स्थूल आर्थिक संकलन जैसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि और कीमत महंगाई, जहां संकलन प्रक्रिया कई चैनलों पर निर्भर है - वैश्विक स्तर पर एक समय के अंतर के साथ उपलब्ध हैं। इसके अलावा, उनके प्रारंभिक अनुमान, जो वास्तव में बहुत उपयोगी हैं, सीमित इनपुट और आंशिक डेटा के साथ संकलित किए जाते हैं और कई और कभी-कभी महत्वपूर्ण संशोधन करने की संभावना होती है। पॉलिसी निर्माता जो उन्हें इनपुट के रूप में इस्तेमाल करते हैं, हालांकि, रिट्रोस्पेक्ट में निर्णयों को संशोधित करने की लज्जरी नहीं होती है¹। मौद्रिक नीति निर्माता मजबूत मूल्यांकन करने और डेटा संशोधन से उत्पन्न होने वाली नीतिगत त्रुटियों को कम करने के लिए सहायक चरों के बारे में जानकारी के साथ आधिकारिक अनुमानों को पूरा करते हैं। सांख्यिकीय जानकारी का उपयोग व्यवसायों और परिवारों द्वारा आर्थिक स्थिति का आकलन करने और उनकी निकटकालिक अपेक्षाओं को मजबूत करने में भी किया जाता है।

हमारे लाभ के लिए, तकनीकी विकास ने उनकी विस्तृत मॉनिटरिंग को सपोर्ट करने के लिए बढ़ते आयामों और आर्थिक गतिविधियों की गहराई के साथ गति बनाए रखा है। रिमोट सेंसिंग, ऑटोमेशन, डिजिटाइजेशन, इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट इकोसिस्टम, टेक्स्ट माइनिंग, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अबकास्टिंग में एडवांस हमें गतिविधियों के बारे में तेज़ और व्यापक जानकारी प्रदान करता है। उनके अनुकूल उपयोग ने समर्थन दिया है और स्थूल आर्थिक संकलन को और अधिक परिष्कृत कर सकता है और अनिश्चितताओं के माध्यम से नेविगेट करने में उनकी प्रभावशीलता को बढ़ा सकता है।

रिज़र्व बैंक अपने लगभग सभी मुख्य कार्यों में सांख्यिकीय विधियों का उपयोग करता है और यह मैक्रो-वित्तीय आंकड़ों के साथ-साथ नियमित सर्वेक्षणों के माध्यम से एकत्र किए गए अन्य आर्थिक डेटा का कंपाइलर और उपयोगकर्ता दोनों है। रिज़र्व बैंक नवीनतम वैश्विक प्रिस्क्रिप्शन और सर्वश्रेष्ठ प्रैक्टिस का पालन करता है, और निरंतर, तुलनात्मक और समन्वित आंकड़े पैदा करने के लिए डोमेन में मानकीकरण का पालन करता है। हम डेटा को 'पब्लिक गुड' के रूप में समझते हैं और विश्लेषकों, अनुसंधानकर्ताओं और सामान्य जनता द्वारा उपयोग के लिए सार्वजनिक डोमेन में अधिक डेटा प्रसारित कर रहे हैं। हमारी प्राथमिकता व्यक्तिगत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सामान्य प्रसार के लिए है।

रिज़र्व बैंक ने अपने पहले एंटरप्राइज़-व्यापी डेटा वेयरहाउस - सेंट्रल डेटाबेस मैनेजमेंट (सीडीबीएमएस) की स्थापना की जो 2002 से अपने इंटरनल यूज़र्स के लिए उपलब्ध थी। इस डेटा सिस्टम का एक बड़ा हिस्सा नवंबर 2004 में सार्वजनिक डोमेन में 'भारतीय अर्थव्यवस्था (डीबीआईई)' पोर्टल के रूप में रखा गया था। वर्षों के दौरान, डीबीआईई एक सरल डेटा रिपोजिटरी से एक सूचना प्रसंस्करण और प्रबंधन प्रणाली में विकसित हुआ है, जो रिज़र्व बैंक का डेटा प्रसार प्लेटफॉर्म बन गया है। डीबीआईई घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधानकर्ताओं, विश्लेषकों और सामान्य जनता, विशेष रूप से छात्रों के बीच बहुत लोकप्रिय है। मई 2023 में इसे 2.5 लाख से अधिक हिट्स प्राप्त हुए।

रिज़र्व बैंक के विनियम समीक्षा प्राधिकरण 2.0 (आरआरए 2.0) ने हाल ही में रिपोर्टिंग तंत्र को सुव्यवस्थित करने और नियामक अनुपालन भार में कमी के बारे में कई सिफारिश की हैं। इनमें से कई सिफारिश पहले ही लागू हो चुकी हैं और अन्य कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। शेष ईमेल आधारित रिपोर्टिंग के सिस्टम-आधारित सबमिशन पर एक प्रमुख सिफारिश आने वाले महीनों में केंद्रीकृत सूचना प्रबंधन प्रणाली (सीआईएमएस) के माध्यम से लागू की जाएगी।

सूचना प्रबंधन, आवधिक समीक्षाएं, रिपोर्टिंग संस्थाओं के साथ निरंतर संबंध और तकनीकी उन्नयन के लिए प्रौद्योगिकी में हमारे निवेश ने कवरेज, गुणवत्ता और डेटा की समय-सीमा में सुधार के मामले में समृद्ध लाभांश का भुगतान किया है। कोविड-19 लॉकडाउन अवधि के दौरान, हमारे रिपोर्टिंग सिस्टम ने बिज़नेस निरंतरता सुनिश्चित की: मान्य जानकारी का प्रवाह आसान था; 'वर्क फ्रॉम होम (डब्ल्यूएफएच)' वातावरण को सक्रिय रूप से समर्थित किया गया; और सूचना का सार्वजनिक प्रसार निरविच्छिन्न हो गया।

आज के सीआईएमएस के लॉन्च के साथ, हम विशाल डेटा प्रवाह, एकीकरण, विश्लेषण, सार्वजनिक प्रसार और डेटा शासन को संभालने के लिए हमारे इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट फ्रेमवर्क में एक बड़ा बदलाव शुरू करते हैं। यह सिस्टम बिग डेटा को मैनेज करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है और पावर यूज़र के लिए डेटा खनन, टेक्स्ट माइनिंग, विज़ुअल एनालिटिक्स और एडवांस्ड स्टैटिस्टिकल एनालिसिस डेटा को कई डोमेन से कनेक्ट करने के लिए एक प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेगा, जैसे वित्तीय, बाहरी, वित्तीय, कॉर्पोरेट और रियल सेक्टर के साथ-साथ कीमते। थोड़े से मध्यम अवधि में, इससे रिज़र्व बैंक के आर्थिक विश्लेषण के साथ-साथ कई डोमेन में पर्यवेक्षण, निगरानी और प्रवर्तन में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा।

नई प्रणाली अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा रिपोर्ट करने से शुरू हो रही है और धीरे-धीरे शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबीएस) और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को विस्तारित की जाएगी। आकस्मिक रूप से, सीआईएमएस लाइव होने के साथ, पहला साप्ताहिक सांख्यिकीय सप्लीमेंट (डब्ल्यूएसएस), जो रिज़र्व बैंक के अपने संचालन और बैंकिंग और वित्तीय बाजारों में विकास पर साप्ताहिक डेटा रिलीज है, 23 जून, 2023 को समाप्त सप्ताह के लिए सीआईएमएस में संकलित और संसाधित किया गया था। यह सार्वजनिक उपयोग के लिए अधिक डेटा का प्रसार करेगा और बाहरी उपयोगकर्ताओं द्वारा उनकी ओर से ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण का भी समर्थन करेगा। विनियमित संस्थाओं को उनके पिछले डेटा और नए सिस्टम में गुणवत्ता मापदंडों पर उनका मूल्यांकन भी प्राप्त होगा।

बड़ी संख्या में संस्थाओं को शामिल करने वाले कई आयामों के साथ सिस्टम में कोई भी परिवर्तन होने पर कुछ समस्या हो सकती है और इसलिए, हमारी टीम आसान परिवर्तन के लिए रिपोर्टिंग संस्थाओं का समर्थन करेगी, जहां भी आवश्यक हो। आने वाले महीनों में कई नई विशेषताओं को भी बढ़ाया जाएगा।

इस सम्मेलन का आयोजन आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित करते हुए दो अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं की पृष्ठभूमि में किया जा रहा है; एक, विकास के लिए डेटा का सिद्धांत जी20 के भारत की निरंतर अध्यक्षता के तहत कार्यधारा का एक अभिन्न हिस्सा है; और दूसरा, दो दशकों के अंतर के बाद संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग (यूएनएससी) में भारत की आगामी

सदस्यता. मैं ध्यान देता हूँ कि आज जी20 अर्थव्यवस्थाओं के विभिन्न पहलुओं को कवर करने वाले चार अनुसंधान पेपर के परिणाम भी प्रस्तुत किए जाएंगे.

अब मैं प्रो. महालनोबिस के शब्दों के साथ समाप्त करता हूँ: "हम स्वाभाविक रूप से भारत से संबंधित डेटा के संग्रह और विश्लेषण पर अधिक ध्यान देंगे, लेकिन हम विश्व समस्याओं के संबंध में सभी भारतीय प्रश्नों का अध्ययन करने की कोशिश करेंगे². इन शब्दों से प्रेरणा लेने के लिए, मुझे रिज़र्व बैंक के हमारे सांख्यिकीविदों को भी एक संदेश देना चाहिए: जैसे ही आप अपने पेशे में व्यापक कैनवस की तलाश करते हैं, मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि आप प्रोफेसर महालनोबिस के इन शब्दों की भावना का पालन करें.

मैं आज के विचार-विमर्शों की सफलता की कामना करता हूँ, जो मुझे विश्वास है कि हमारी टीमों, विशेष रूप से युवा अधिकारियों को, राष्ट्र की सेवा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता में पेशेवर उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करेगा.

धन्यवाद.